महिला स्वास्थ्य

सफेद पानी

जन स्वास्थ्य सहयोग

ग्राम : गनियारी-बेलटुकरी

जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

2010

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

दवा के क्या दुष्प्रभाव हैं?

Doxycyline कैप्सूल को खाली पेट न खाएँ। खाने के बाद एक गिलास पानी पिएँ तथा तुरंत आराम न करें।

श्वेत प्रदर की बीमारी में ऑपरेशन की जरूरत कब पड़ती है?

1. अगर लक्षण दवाई करने के उपरांत बने रहे।
2. अगर सफेद पानी के साथ और लक्षण बार–बार होएँ।
3. माहवारी का ज्यादा होना – जिसके कारण खून की कमी/कमजोरी।

तो ऐसे में बच्चेदानी निकालने की जरूरत पड़ सकती है।

अगर श्वेत प्रदर के साथ महीने के बीच में खून दिखाई दे, या पति–पत्नी के संबंध रखने पर खून जाए तो तुरंत डॉक्टर से अंदरूनी जाँच करवाएँ। ताकि अगर जरूरत हो तो टुकड़े जाँच (बायोप्सी) बच्चेदानी की मुँह के कैंसर की जाँच कर सकें।

क्या मुझे अंदरूनी जाँच बिना लक्षण के करानी चाहिये?

हर महिला को 30 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल के बाद अंदरूनी जाँच (per speculum) करानी चाहिये ताकि बच्चेदानी के मुँह के कैंसर (Ca-cervix) जैसी खतरनाक बीमारी जल्दी पकड़ में आए।

= = :00: = =

सहयोग राशिः
व्यक्तिगत 1 रू.
संस्थागत 2 रू.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

कहते है। इसमें पति और पत्नी दोनों का इलाज जरूरी है।

02. दूसरा प्रकार का श्वेत प्रदर है (Vaginal Candidiasis) जो कि फटे हुए दूध या दही की तरह दिखता है तथा इसके साथ पेशाब में जलन भी होती है। Candidiasis गर्भवती महिलाओं में, शक्कर की बीमारी (Diabetes) में, या जो महिलाएँ गर्भ निरोधक गोली ले रही हो उनमें भी हो सकती है।

सफेद पानी का इलाज क्या होता है?

1. Cap. Doxycyline 100 mg. दिन में दो बार 10–14 दिनों तक
2. Tab. Metronidazole 400 mg. दिन में तीन बार 7 दिनों तक
3. Clotrimazole vaginal tab. रोज रात को पहिरन में रखने के लिये 6 दिनों तक
4. पेट में दर्द की गोली दिन में तीन बार x 5 दिन उसके बाद 1 गोली दर्द होने पर।

इसके अलावा :

- ♦ खून की कमी का इलाज।
- ♦ सफाई रखना, सूती कपड़े पहनाना तथा पेट में कीड़े का इलाज करना भी आवश्यक है।
- ♦ डायबिटिज में शक्कर का नियंत्रण।

श्वेत प्रदर (सफेद पानी)

जो सफेद या पीले रंग का पानी महिला के पहिरन से जाता है उसे श्वेत प्रदर कहते हैं।

क्या यह श्वेत प्रदर सामान्य होता है?

जो श्वेत प्रदर माहवारी के पहले, महीने के बीच में किसी किशोरी की माहवारी शुरू होने पर या गर्भावस्था में जाता है वह सामान्य होता है।

श्वेत प्रदर का इलाज कब लेना चाहिये?

जब श्वेत प्रदर के साथ–

1. कोथा दर्द
2. कमर दर्द
3. पेशाब में जलन
4. पति से संबंध रखने में तकलीफ
5. माहवारी ज्यादा होना
6. महीने के बीच में खून दिखना
7. प्रदर की मात्रा बढ़ जाये– सोखने के लिए कपड़ा लगाने की जरूरत पड़ती है।

तो उसका इलाज लेना चाहिये, अथवा डॉक्टर जाँच की जरूरत है।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

इस परेशानी में भी पति और पत्नी दोनों का इलाज करना जरूरी है। शक्कर का नियंत्रण होना जरूरी है।

- श्वेत प्रदर में अगर पति–पत्नी के संबंध के बाद खून मिला हुआ दिखाई दे तो तुरंत डॉक्टर के पास अंदरूनी जांच कराना चाहिए। गर्भाशय मुख का कैंसर (Ca-cervix) होने की संभावना रहती है इससे जल्दी जाँच कराना अत्यन्त आवश्यक हो जाता है।
- गर्भाशय के मुख के ऊपर यदि छाला हो या गर्भाशय या उसके किसी हिस्से में संक्रमण हो तो भी श्वेत प्रदर की परेशानी हो सकती है। इसमें महिला को चिकित्सक की सलाह के बाद दवा लेनी चाहिए, इससे मरीज को आराम मिल जाता है। अगर उपयुक्त समय तक दवा लेने से परेशानी ठीक न हो तो ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है।
- कम उम्र की लड़कियों में भी सफेद पानी की परेशानी मिल सकती है। उन्हें साफ–सफाई पर ध्यान देने की सलाह तथा सूती कपड़े पहनने के लिये सलाह देना है।

श्वेत प्रदर कब ज्यादा होता है?

ऐसा ही होता है जब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, तब श्वेत प्रदर तथा संक्रमण की संभावना अधिक हो जाती है। जैसे–

- गर्भपात या जचकी के बाद अगर सफाई से न की गई हो।
- माहवारी के दौरान सफाई न रखने से।
- गर्भपात अगर सही तरीके से न किया गया हो।
- खून की कमी।
- माहवारी के बंद होने के बाद (बड़ी उम्र में)

चित्रः महिला जन्नेन्द्रिया

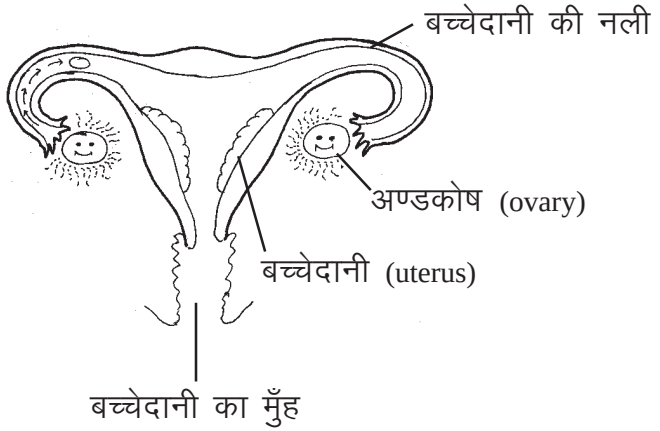

बच्चेदानी, बच्चेदानी का मुँह, नली तथा अण्डकोष के संक्रमण में श्वेत प्रदर हो सकता है।

सफेद पानी के मुख्य रूप –

सफेद पानी मुख्यतः दो प्रकार के मिलते हैं:

01. पहला जिसमें श्वेत प्रदर बदबूदार, झाग सा और ज्यादा मात्रा में होता है उसे बैक्टिरियल वैजिनोसिस (Bacterial Vaginosis)

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com